

---

Vithala Arati

॥ श्री विठ्ठल आरती ॥

---

आरती अनंतभुजा । विठो पंढरीराजा ॥  
न चलती उपचार । मनें सारिली पूजा ॥ धृ ॥

परेस पार नाहीं । न पडे निगमा ठायीं ॥  
भुलला भक्तिभावे । लाहो घेतला देहीं ॥ आरती ॥ १ ॥

अनिर्वाच्या शुद्ध बुद्ध । उभा राहिला नीट ॥  
रामाजनार्दनीं । पायीं जोडिली वीट ॥ आरती ॥ २ ॥

इति

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)  
Last updated January 26, 1999